जिला स्तरीय शोध

सत्र 2021–22

''राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता के कारणों का अध्ययन''

प्रस्तुतकर्ता

आई.एफ.आई.सी. प्रभाग

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)

चूरू

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान

एवं प्रशिक्षण परिषद् , उदयपुर

शोध शीर्षकः–

'' राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता के कारणों का अध्ययन''

प्रस्तावनाः– साक्षरता से तात्पर्य उन व्यक्तियों से होता है जो किसी भाषा को पढ़ने और लिखने में सक्षम हो। किसी भी देश आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से तभी सम्पन्न हो सकता है जब उस देश के नागरिक साक्षर हों। भारत में राष्ट्रीय सारक्षता मिशन के अनुसार साक्षरता किसी व्यक्ति पढ़ने और लिखने व समझने की क्षमता से है।

साक्षरता मानव संसाधन विकास का प्रमुख आधार है। जिस देश में साक्षरता की दर ऊच्ची होगी तो उस देश की समृद्धि, सम्पनता और उन्नति भी उसी अनुपात में होगी। विश्व के वो ही देश विकसित और समृद्धशाली हैं जिन्होंने समय रहते शिक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझकर उसको प्राथमिकता में रखा। निरक्षरता किसी भी देश की सामाजिक , आर्थिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक उन्नति में बाधक होती है।

साक्षरता व्यक्ति के विचारों को ऊंचाई प्रदान करती है। साक्षरता से प्रत्येक व्यक्ति का मन मस्तिष्क विकसित होता है। हमारे देश में भी जो राज्य साक्षरता में आगे हैं, वो ही विकसित और सम्पन्न राज्यों की सूची में अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर बहुत कम (74.06 प्रतिशत) है। देश की तुलना में राजस्थान की साक्षरता दर देश से भी बहुत कम (67.06 प्रतिशत)है। महिला साक्षरता में राजस्थान की स्थिति देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी खराब है। राजस्थान में साक्षरता का लैंगिक अंतर 23.2 प्रतिशत है। राजस्थान में महिला साक्षरता की दर में कमी देखी जा रही है। सारक्षता के महत्व और आवश्यकता को रेखांकित करते हुए देश में साक्षरता दर को बढ़ाने के लिए केन्द्र और राज्यों की सरकारों ने समय–समय पर अनेक प्रयास किये हैं। जैसे– प्रौढ़ शिक्षा, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, राष्ट्रीय एवं राज्य महिला आयोग का गठन, निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 2011 इत्यादि।

बहुत सारे अथक प्रयास करने के बाद भी राजस्थान में महिला साक्षरता दर अपने घोषित लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई हैं। राज्य में महिला साक्षरता की दर को बढ़ाने के लिए सबसे पहला कार्य है, वर्तमान समय में चल रही विभिन्न योजनाओं को यथार्थ धरातल पर लागु करने की परम आवश्यकता है। देश व राज्य में ग्रमीण और शहरी महिला साक्षरता बहुत ज्यादा अंतर है। इस अंतर को कम करने के लिए ग्रमीण क्षेत्र में साक्षरता को बढ़ाने वाली सभी योजनाओं को धरातल पर उतारा जाना चाहिए।

राजस्थान में महिला साक्षरता न्यूनतम के बहुत से कारण हैं। जैसे– रूढ़ीवादी विचारधारा, लैंगिक भेदभाव, निर्धनता, विद्यालयी शिक्षा की ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच का अभाव आदि अनेक कारण हैं। राजस्थान कृषि प्रधान प्रदेश हैं। राजस्थान में अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। ग्रामीण क्षेत्र में प्रमुख रूप से लोगों के जीवन उपार्जन का साधन है खेती–बाड़ी करना।

खेती–बाड़ी में आय बहुत कम होने के कारण ज्यादातर लोग भेड़–बकरियां भी रखते हैं। घर में खेती–बाड़ी के साथ–साथ पशुपालन व्यवसाय होने के कारण कार्य की अधिकता होती है। पुरूष प्रधान समाज के कारण अभिभावक कार्य में हाथ बटाने के लिए बालिकाओं को पढ़ाई नहीं करवाते हैं।

उद्देश्यः– शोधकर्ताओं ने महिला शिक्षा स्तर न्यून की समस्या समाधान से संबंधित अध्ययन से अधोलिखित उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास किया गया है।

1. महिला साक्षरता की वस्तु स्थिति का अध्ययन।
2. महिला साक्षरता न्यून होने के कारणों का अध्ययन।
3. महिला साक्षरता स्तर वृद्धि के प्रयासों का अध्ययन।
4. महिला साक्षरता स्तर वृद्धि के लिए सुझाव प्रस्तावित करने का प्रयास।

परिकल्पनाः– महिला साक्षरता स्तर न्यून से संबंधित समस्याओं का अध्ययन द्वारा अधोलिखित परिकल्पनाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत तथ्यों के आधार पर करने का प्रयास अन्वेषण द्वारा किया गया है।

1. पुरूष व महिला स्तर में कोई अन्तर नहीं हैं।
2. परिवार की शैक्षिक, आर्थिक, भौतिक स्थिति का महिला साक्षरता पर कोई प्रभाव नहीं है।
3. महिला साक्षरता स्तर प्रोन्नति में किये गये प्रयास की कोई सार्थकता नहीं है।
4. महिला साक्षरता स्तर प्रोन्नति के सुझाव प्रस्तावित किये जा सकते है।

शोध उपकरण– प्रस्तुत शोध कार्य हेतु स्वनिर्मित (अभिमतावली, अवलोकनी, साक्षात्कार) उपकरण काम में लिए गये हैं।

1. पी.ई.ई.ओ./यू.सी.ई.ई.ओ. अभिमतावली
2. पी.ई.ई.ओ./यू.सी.ई.ई.ओ. अवलोकनी
3. महिला साक्षात्कार

प्रस्तुत शोध में दत्त संकलन यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श की उद्देश्यपूर्ण प्रविधि का प्रयोग किया गया है। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विद्यालयों का चयन किया गया है।

सीमांकनः– शोध कार्य प्रस्तावित जिलें की समस्त रा.उच्च मा.वि. के द्वारा किया गया है। अध्ययन को प्रत्येक तहसील से प्रतिनिधित्व करते हुये किया गया है। अध्ययन की सार्थकता के लिए साक्षर व निरक्षर महिलाओं से साक्षात्कार किया गया। जिले में कुल 268 रा.उच्च मा.वि. स्थित है।

न्यादर्शः– प्रस्तावित शोध कार्य में देवप्रति चयन विधि द्वारा विद्यालय चयन किया गया। इस प्रकार न्यादर्श लगभग शोध कार्य का 30 प्रतिशत बनाया गया है।

न्यादर्श चयन की प्रक्रिया अधोलिखित रहे है।

जिले से जिले में स्थित 268 विद्यालय में से राजकीय 80 विद्यालयों का चयन किया गया। विद्यालय चयन के लिए यादृच्छिक न्यादर्श चयन हेतु लॉटरी विधि को अपनाया। उससे तहसीलवार अधोलिखित स्थिति रही।

क्र.स.	तहसील	चयनित विद्यालय संख्या
1.	बीदासर	12
2.	चूरू	17
3.	राजगढ़	10
4.	रतनगढ़	12
5.	सरदारशहर	13
6.	सुजानगढ़	05
7.	तारानगर	11
	कुल	80

तालिका 01 विवरणात्मक

प्रस्तुत शोध में चूरू जिले की कुल 80 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया है। इसके अन्तर्गत विभिन्न ब्लॉक से निम्न प्रकार से विद्यालयों का चयन किया गया है।

बीदासर से 12 विद्यालय, चूरू से 17, राजगढ़ से 10, रतनगढ़ से 12, सरदारशहर से 13, सुजानगढ़ से 5, तारानगर से 11 विद्यालयों का चयन किया गया है।

तालिका 02 विवरणात्मक

तालिका 02 में क्र.स. 1 पर बीदासर तहसील के 12 विद्यालयों में 12 पी.ई.ई.ओ. तथा 24 साक्षर व 24 निरक्षर महिलाओं का साक्षात्कार लिया गया।

क्र.स. 2 में चूरू तहसील के 17 विद्यालयों के 17 पी.ई.ई.ओ. व 34 साक्षर व 34 निरक्षर महिलाओं का साक्षात्कार लिया गया।

सर्वाधिक चयन चूरू तहसील में व सबसे कम सुजानगढ़ के विद्यालयों का चयन इस साक्षात्कार हेतु किया गया।

शोधकार्य में प्रयुक्त उपकरण– शोधकार्य को उद्देश्य निष्ठ अध्ययन हेतु अधोलिखित उपकरण प्रयुक्त किये गये।

1. अभिमतावली– पी.ई.ई.ओ. से महिला साक्षरता न्यूनता के कारणों हेतु अवलोकनी प्रयोग।
2. अवलोकनी–
3. साक्षात्कार– साक्षर व निरक्षर महिलाओं से साक्षात्कार लिया गया।

दत्त संकलनः– दत्त संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण से प्राप्त दत्ता की स्थिती अधोलिखित रही।

1. अभिमतावली– महिला साक्षरता न्यूनता के कारण जानने के लिए चयनित विद्यालय के प्रधानाचार्य से अभिमत लिये गये। ये अभिमत इसलिए लिए गये की विद्यालय व संबंधित समुदाय की स्थिती के बारे में शिक्षा से संबंधित उन्नति/अवन्नति के संबंधित इनके अलावा कोई सक्षम अभिमत नही है। अभिमतावली में 10 पदो का समावेश किये है। पदो में महिला की साक्षरता होने में आने वाली पारिवारिक, सामाजिक, भौतिक स्थितियों से संबंधित अभिमत लेने का प्रयास किया गया। अभिमतावली में 9 पदो से संबंधित अभिमत लिये गये है 10 पद में न्यून साक्षरता अभिमत दाता के व्यक्तिगत विचार लिये गये है।
   अंकन प्रक्रिया :– अभिमतावली में क्रम संख्या 4 व 9 नकारात्मक व शेष सकारात्मक पद है इनमें अंकन हेतु सकारात्मक के लिए सहमत, तटस्थ, असहमत के लिए क्रमश 3,2,1 व नकारात्मक पद के लिए इसके विपरित क्रमश 1,2,3 प्रदान किये गये। इस प्रकार एक अभिमतावली अधिकतम अंक 27 व न्यूनतम अंक 09 होते है।
   न्यादर्श 80 प्रधानाचार्य के अभिमतों को अंकन करने पर अधोलिखित रही है।
   तालिका सं 03

क्र.स.	वर्ग	बांरम्बारता
1.	1–5	05
2.	6–10	03
3.	11–15	09
4.	16–20	13
5.	21–25	24

6.	26–30	26
	योग	80

M_1=12.9 O_1=7.15

तालिका सं. 03 विवरणात्मक

सबसे कम अंक प्राप्त करने वालों की संख्यां (0–5) वर्ग में 5 व सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों की संख्या 26 वर्ग अन्तराल (26–30) में है।

वर्ग (1–20) तक अंक प्राप्त करने वालों की संख्यां 30 है तथा 30 से अधिक अंक प्राप्त करने वालों की संख्यां 50 है।

2. अवलोकनीः– महिला साक्षरता न्यूनता के कारण जानने के लिए चयनित विद्यालय के प्रधानाचार्य से अवलोकनी प्राप्त की गई। इन अवलोकनी के लिए विद्यालय प्रधानाचार्य सक्षम है। अवलोकनी में 15 पदो का समावेश किया गया है। पदो में महिला की साक्षरता प्रोन्नति व अवन्नति में आने वाली समस्या के कारण प्रान्नति संबंधित योजना, भौतिक, सामाजिक, शैक्षिक स्तर संसाधन सुलभता से संबंधित वस्तु स्थिति के अवलोकन का प्रयास किया गया है।

3. साक्षात्कार अनुसूचीः– चयनित विद्यालय परिक्षेत्र से साक्षर व निरक्षर महिलाओं से साक्षात्कार हेतु साक्षात्कार अनुसुची का प्रयोग किया गया। साक्षात्कार सूची दो भागों में विभक्त थी।

1. परिचयात्मक सुचना– परिचयात्मक सुचना के अन्तर्गत नाम, पारिवारिक स्थिती, आर्थिक, भौतिक व शैक्षिक स्तर एवं संयुक्त या एकल परिवार, जीवन स्तर आदि के बारे में सुचना एकत्रत की गई।

2. साक्षात्कार सुचना – साक्षात्कार सुचना में साक्षात्कार के द्वारा शिक्षा से संबंधित, शिक्षा के अन्तर्गत जेण्डर असमानता, विद्यालय की अवस्थिति, विद्यालय में बालिकाओं हेतु मुलभुत सुविधाएं आदि से संबंधित सुचनाऐ एकत्रित की गई। इस प्रक्रिया में कुल 11 पद लिए गये। प्रत्येक हां के लिए 2 अंक व प्रत्येक नही के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया।

साक्षात्कार शिक्षित व अशिक्षित महिलाओं से किया गया जिसके आधार पर साक्षात्कार अनुसुची की स्थिती अधोलिखित तथ्य स्पष्ट करती है।

तालिका

परिचयात्मक सुचना के आधार पर

(साक्षात्कार अनुसुची)

क्र.स.	विवरण (वर्ग)	बारम्बारता (साक्षर)	बारम्बारता (निरक्षर)
1.	1–4	13	32
2.	5–8	17	36
3.	9–12	18	42
4.	13–16	42	34
5.	17–20	36	16
6.	21–24	34	10
		160	160

$\{M_1-M_2\}$= 4-69

CR.=12.67

M_1=15.18 M_2=10.49

O_1=7.5 R_2=5.92

- क्र.स. 1 पर वर्ग (1–4) में कुल साक्षर महिलाओं की संख्यां 13 व निरक्षर की 32 है।

- क्र.स. 2 पर 5–8 वर्ग में साक्षर महिलाओं की संख्यां 17 व निरक्षर महिलाओं की संख्यां 36 है।
- वर्ग अन्तराल (13–16) में सर्वाधिक साक्षर महिलाओं की संख्यां 42 है। वर्ग अन्तराल (9–12) में सर्वाधिक निरक्षर महिलाओं की संख्या है।
- वर्ग अन्तराल (1–4) में साक्षर महिलाओं की संख्यां सबसे कम 13 व वर्ग अन्तराल (21–24) में निरक्षर महिलाओं की संख्यां सबसे कम 10 है।

दत्त विश्लेषणः– प्राप्त दत्तों का उद्देश्यानुसार विश्लेषण करने का प्रयास करने पर अधोलिखित स्थितियां रही है।

1) पुरूष एवं महिला साक्षरता में कोई अन्तर नहीं है। इसके संबंध में प्राप्त दस्तावेज एवं दत्त संकलन से प्राप्त तथ्यों के अनुसार विश्लेषण करने पर अधोलिखित स्थितियां रहीं है।
(क)दस्तावेज :– जनगणना 2011 के अनुसार चूरू जिले में महिला साक्षरता 78.78 प्रतिशत है। यहां यह चिन्तनीय विषय है। और यह स्पष्ट हो रहा है कि महिला साक्षरता पुरूष साक्षरता से काफी न्यून है। इसे प्रोन्नत करने की आवश्यकता है। अनुसंधान द्वारा महिला साक्षरता प्रोन्नति में आने वाली बाधाओं के संबंध में अभिमत समुदाय के परिवार, समाज की भौतिक स्थितियों से संबंधित लेने का प्रयास किया गया है।

तालिका –1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि अभिमत महिला साक्षरता न्यून से संबंधित है। क्योंकि माध्य तथा उक्त तथ्य यह स्पष्ट करते हैं कि महिला साक्षरता पुरूष साक्षरता से न्यून है। 12.9 तथा मानक विचलन 7.15 है। इससे स्पष्ट है कि महिला साक्षरता न्यून होने का मुख्या कारण समुदाय की सामाजिक, भौतिक, सास्कृतिक स्थिति है।

तालिका–5

(तालिका 3 से)

क्र.स.	वर्गान्तर	अभिमतावली से	
		25 प्रतिशत उच्च	25 प्रतिशत न्यून
1.	1–5	2	2
2.	6–10	3	3
3.	11–15	4	4
4.	16–20	2	6
5.	21–25	5	3
6.	26–30	4	2
	योग	20	20

अभिमतावली से प्राप्त अभिमत अंकन पश्चात् उच्च व न्यून 25 प्रतिशत की स्थिति तालिका 5 में स्पष्ट की गयी है। उक्त अभिमतों से माध्य मानक विचलन व क्रान्तिक मान अधोलिखित रहा है।

तालिका–6

(न्यून साक्षरता कारणों की सार्थकता)

क्र.स.	अभिमत स्तर	N	माध्य	मानक विचलन	माध्य अन्तर	क्रान्तिक मान
1.	न्यून	20	15.75	10.2	1.5	3
2.	उच्च	20	17.25	10.25		
3.	योग	40	–	–		

अभिमतों के आधार पर न्यून साक्षरता का समाज के आर्थिक, सामाजिक, भौतिक कारणों का अधिक व साधारण से कम मानने वालों का माध्य मानक विचलन व कान्तिकमान क्रमशः M_1=17.25, M_2=15.75 मानक विचलन O_1=10.25, O_2=10.2 माध्य अन्तर 1.5,कान्तिक मान 3 है। यहां स्पष्ट करता है कि न्यून साक्षरता के कारण समुदाय की सांस्कृतिक, सामाजिक व भौतिक स्थिति हो सकती है।

कान्तिक मान तालिका 3 के कान्तिक मान 99 प्रतिशत सार्थकता पर 2.5 से अधिक है। अतः हम स्पष्ट रूप से कह सकते है कि समुदाय की स्थिति महिला साक्षरता न्यून होने का मुख्य कारण है।

हमारी परिकल्पना महिला साक्षरता व पुरूष साक्षरता के मध्य अन्तर नही है। यह निरस्त की जाती है और यह कहना सार्थक है कि दोनों के मध्य अन्तर है और यह अन्तर समुदाय की स्थिति के आधार पर है उक्त स्थिति निम्न निष्कर्ष प्रस्तुत करती है कि महिला साक्षरता पुरूष साक्षरता से न्यून है इसमें समाज की स्थिति का प्रभाव हो सकता है।

अभिमतावली के पद संख्यां 10 के आधार पर महिला निरक्षरता के कारणों का अध्ययन करने पर सर्वाधिक कारणों में सामाजिक कारण 60 प्रतिशत सामने आए। तथा 20 प्रतिशत के रूप में आर्थिक कारण व 20 प्रतिशत ही शैक्षिक कारण रहे।

सामाजिक कारणों का अध्ययन करने पर सामाजिक कारणों में घरेलू परिस्थितियां व जागरूकता का अभाव होना 15 प्रतिशत रहा। सामाजिक उदासीनता व पारीवारिक उदासीनता 9 प्रतिशत रही। तथा परिवार जनों की संकुचित मानसिकता 9 प्रतिशत रही तथा लिंग भेदभाव 9 प्रतिशत तथा पुरूष प्रधान समाज होने के कारण महिला शिक्षा को महत्व न देना भी 9 प्रतिशत रहा। रूढ़ीवादी सोच तथा पर्दाप्रथा भी 8 प्रतिशत रही। इसके अलावा सामाजिक पृष्टभूमि, सामाजिक बंधन व नशावृति के कारण भी 3 प्रतिशत पाये गए।

आर्थिक कारणों का विश्लेषण करने पर देखा गया कि ग्रमीण परिवेश में कृषि पर निर्भरता के कारण महिलाओं को खेती के कार्यो में संलग्न रहना पड़ता है जिसके कारण पुरूष या बालकों की अपेक्षा महिलाएं व बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करने में पिछड़ जाती है। 32 प्रतिशत के रूप में आर्थिक विषमता का कारण सामने आया है। समाज में आर्थिक विषमताओं के कारण बालको ंको शिक्षा दिलाई जाए इस हेतु तो परिवारजनों का विशेष प्रयास रहता है परन्तु बालिकाओं की शिक्षा पर अत्यधिक खर्च ना कर सकने की सोच के कारण उन्हे पढ़ने लिखने से वंचित रखा जाता है। आर्थिक कारणों में 21 प्रतिशत निर्धनता रही। निर्धनता के कारण बालिकाओं को शिक्षा पर व्ययन कर सकने के कारण उन्हे शिक्षा प्रदान करने से वंचित रखा जाता है।

महिला निरक्षरता के शैक्षिक कारणों का अध्ययन करने पर पाया गया की शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव व शिक्षा के प्रति रूझान में कमी 26 प्रतिशत के रूप में सामने आयी है। समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव है। समाज के व्यक्तियों का अपनी बालिकाओं को शिक्षित करने व उन्हे स्वावलंबी बनाने के लिए जागरूकता की कमी पाई जाती है। 26 प्रतिशत के रूप में अज्ञानता भी एक बड़ा कारण है। 22 प्रतिशत के रूप में विद्यालयों की कमी सामने आई है। ग्रमीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के लिए विद्यालयों का दूर होना तथा दूर के विद्यालयों में अभिभावाकों द्वारा अपनी बालिकाओं को नही भेजा जाता जिस कारण वे अपनी शिक्षा पूर्ण नही कर पाती है।

महिला निरक्षरता के कारणः–

1. आर्थिक कारण–
    - कृषि पर निर्भरता – 9 (47 प्रतिशत)
    - आर्थिक पिछड़ापन – 6 (32 प्रतिशत)

- निर्धनता – 4 (21 प्रतिशत)

2. सामाजिक कारण–

- घरेलू परिस्थितियां – 8 (15 प्रतिशत)
- जागरूकता का अभाव – 8 (15 प्रतिशत)
- सामाजिक उदासीनता – 6 (9 प्रतिशत)
- पारिवारिक उदासीनता – 5 (9 प्रतिशत)
- संकुचित मानसिकता – 5 (9 प्रतिशत)
- लिंग भेदभाव – 5 (9 प्रतिशत)
- पुरूष प्रधान समाज – 5 (9 प्रतिशत)
- रूढीवादिता – 4 (8 प्रतिशत)
- पर्दाप्रथा – 4 (8 प्रतिशत)
- सामाजिक पृष्ठभूमि – 2 (3 प्रतिशत)
- सामाजिक बंधन – 2 (3 प्रतिशत)
- नशावृति – 2 (3 प्रतिशत)

3. शैक्षिक कारण–

- शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव – 5 (26 प्रतिशत)
- अज्ञानता – 5 (26 प्रतिशत)
- शिक्षा के प्रति रूझान की कमी – 5 (26 प्रतिशत)
- विद्यालयों की कमी – 4 (22 प्रतिशत)

उक्त आधार पर स्पष्ट है कि महिला साक्षरता न्यून है। इसका मुख्य कारण सामाजिक स्थिति ही है।

अभिमतावली के प्रश्न संख्यां 10 का विश्लेषण करने पर महिलाओं की साक्षरता न्यून रहने के मुख्य कारण सामाजिक कारण सामने आए है। साथ ही आर्थिक कारण व शैक्षिक कारण भी महिला साक्षरता न्यून रहने के कारणों में शामिल है।

सामाजिक कारणों में निम्न कारण मुख्य रूप से उभर कर सामने आए है जो हैं– घरेलू परिस्थितियां, जागरूकता का अभाव, सामाजिक उदासीनता, पारिवारिक उदासीनता, संकुचित मानसिकता, लिंग भेदभाव, पुरूष प्रधान समाज, रूढीवादिता, पर्दाप्रथा, सामाजिक पृष्ठभूमी व सामाजिक बंधन तथा नशावृति मुख्य कारण है। साथ ही आर्थिक कारणों के रूप में आर्थिक विषमता, कृषि पर निर्भरता व निर्धनता मुख्य कारण है। शैक्षिक कारणों के रूप में शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव, शिक्षा के प्रति रूझान में कमी, विद्यालयों की कमी व अज्ञानता सामने आए है।

अतः उक्त तथ्यों के आधार पर परिकल्पना परिवार की शैक्षिक, आर्थिक, भौतिक स्थिति का महिला साक्षरता पर कोई प्रभाव नही है, यह निरस्त की जाती है। तथा यह कहना सार्थक है कि महिला साक्षरता न्यून रहने के मुख्य कारण सामाजिक आर्थिक तथा शैक्षिक कारण है।

रेखाचित्र –7 के विश्लेषण में साक्षरता न्यून रहने के कारणों के रूप में सामाजिक कारण है जो 60 प्रतिशत हैं। 80 में से 56 व्यक्तियों ने सामाजिक कारणों को बताया। तथा आर्थिक कारणों के रूप में 80

में 20 व शैक्षिक कारणों में भी 80 में से 20 व्यक्तियों ने इन कारणों को बताया। अतः महिला साक्षरता के न्यून कारणों में सामाजिक कारण ही मुख्य कारक हैं।

तालिका–9

(तालिका 8 का विश्लेषण साक्षरता स्तर अन्तर सार्थकता)

क्र.स.	विवरण	माध्य	मानक विचलन	माध्य अन्तर	क्रान्तिक मान
1.	साक्षर महिला	17	5.65	9.5	10.91
2.	निरक्षर महिला	7.5	9.45		

तालिका – 8

(साक्षर व निरक्षर महिला साक्षरता स्थिति सामाजिक परिस्थितियां अनुरूप)

क्र.स.	वर्गान्तर	महिलाओं की स्थिति	
		साक्षर	निरक्षर
1.	1–5	4	11
2.	6–10	18	50
3.	11–15	16	17
4.	16–20	50	12
5.	21–25	72	10
6.	योग	160	160

M_1(साक्षर महिला प्राप्तांक माध्य)= 17

M_2(निरक्षर महिला प्राप्तांक माध्य)= 7.5

O_1(मानक विचलन साक्षर महिला प्राप्तांक)= 5.65

O_2(मानक विचलन निरक्षर महिला प्राप्तांक)= 9.45

साक्षात्कार अनुसूची विश्लेषण :– न्यादर्श विद्यालय संबंधित क्षेत्र से 2–2 साक्षर व निरक्षर महिलाओं से साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार में विद्यालय, शिक्षा के लिए उपलब्ध सुविधा आधारित प्रश्न करने पर साक्षर व निरक्षर महिलाओं की अंकन पश्चात प्राप्त माध्य क्रमशः 17 व 7.5 है जो कि साक्षर महिलाओं का अधिक, निरक्षर महिलाओं से है। यह स्पष्ट करता है कि समाज की स्थिति, शिक्षा हेतु सुलभ व्यवस्था साक्षरता को प्रभावित करती है।

साक्षर व निरक्षर महिला साक्षरता से किये गये साक्षात्कार से प्राप्त दतों के आधार पर विश्लषण किया गया। साक्षर व निरक्षर महिलाओं से प्राप्त दतों के मानक विचलन क्रमशः 5.65, 9.15 है। उक्त आधार पर क्रान्तिक मान प्राप्त किया गया। तालिका–9 प्राप्त क्रान्तिक मान 10.91 है यह क्रान्तिक मान सार्थकता तालिका से बहुत प्राप्त 2.54 से बहुत अधिक है। यह मान सार्थकता स्तर 99 प्रतिशत पर प्राप्त सार्थकता मान से अधिक है अतः हम स्पष्ट रूप से कह सकते है कि महिला साक्षर व निरक्षरता को सामाजिक स्थिति का प्रभाव है। उक्त आधार पर परिकल्पना स्वीकृत करते ही महिला साक्षरता समुदाय स्थिति से प्रभावित होती है।

3. न्यून साक्षरता परिभार्जित करने के प्रयासः–

- आर्थिकः– आर्थिक रूप से महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु , सिलाई कॉर्स , ब्यूटीपार्लर कॉर्स ,घरेलू कुटिर उधौग धन्धे जैसे विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे है। ऐसा 40 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है। एकल बालिका हेतु प्रोत्साहन राशि, महिलाओं हेतु लॉन सुविधाओं जैसे प्रयास चलाए जा रहे है ऐसा 80 में से 30 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- सामाजिकः– सामाजिक कार्यक्रमों में बेटी बचाओ अभियान, बालिका जन्मोत्सव मनाना, लड़कियों की बिंदोरी निकालना आदि कार्यक्रमों के द्वारा महिलाओं की साक्षरता को न्यूनता को दूर करने के प्रयास किये जा रहे है ऐसा 80 में से 50 विद्यालयों से प्राप्त तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- बालिका सुरक्षाः– बालिका सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा व विद्यालय व सामाजिक स्तर पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है ऐसा 50 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है। बालिकाओं को स्पष्ट वक्ता होने के लिए प्रेरित करना तथा संकोच रहित अपनी बात रखने के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है ऐसा 20 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- शैक्षिकः– बालिकाओं को शिक्षा का महत्व समझाते हुए उनमें वास्तविक समझ उत्पन्न कर सके। बालिकाए अच्छी व बुरी स्थितियों की समझ आ सकें ऐसे प्रयास किये जा रहे है ऐसा 60 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- जीवन स्तरः– गार्गी पुरस्कार, साइकिल वितरण, उच्च शिक्षा हेतु स्कूटी वितरण ये सभी प्रयास बालिकाओं के जीवन स्तर को अच्छा व सुविधाजनक बनाने हेतु किये जा रहे है। ऐसा लगभग सभी (80) विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।

सारांशः– महिलाओं की न्यून साक्षरता को परिभार्जित करने के प्रयास के रूप में आर्थिक प्रयासों के रूप में महिलाओं को स्वावलंबी करने के प्रयास किये जा रहे है। सामाजिक प्रयासों के रूप में बेटियों को आगे बढ़ाने व उनको पढ़ाने लिखाने के उनके प्रयास हो रहे है तथा सामाजिक सरकारों के द्वारा समाज में महिलाओं को शिक्षा दिलवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही बालिकाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने हेतु व अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकने हेतु समर्थ करने के प्रयास के रूप में आत्मरक्षा शिक्षण, जूडो कराटे प्रशिक्षण चलाए जा रहे है। शैक्षिक प्रयासों के रूप में शिक्षा का महत्व उपादेयता को समझा कर शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। बालिकाओं के जीवन स्तर को अच्छा व उच्च करने हेतु भी गार्गी पुरस्कार, स्कूटी वितरण व उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृति देने जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है।

न्यून साक्षरताः–

- आर्थिकः– इन्हें दूर करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम सिलाई कॉर्स, ब्यूटीपार्लर कॉर्स, सामान्य विधुत उपकरण रखरखाव एकल बालिका हेतु प्रोत्साहन राशि, स्कॉलरशिप उच्च शिक्षा प्रोत्साहन ऐसा 30 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- सामाजिकः– सामाजिक कार्यक्रम में बेटी बचाओं अभियान , अपनी लाडो, लड़कियों की बिंदोरी उत्सव, ये 50 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- बालिका सुरक्षाः– आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम 60 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है। स्पष्ट वक्ता होने के लिए प्रेरित करना। संकोच रहित अपनी बात रखना ऐसा 20 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।
- शैक्षिकः– शिक्षा का महत्व, वास्तविक समझ उत्पन्न करना, अच्छी व बुरी स्थितियों की समझ, विद्यालय में प्रवेश हेतू प्रोत्साहित करने हेतु आर्थिक सहयोग, ऐसा 60 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।

- जीवन स्तरः– गार्गी पुरस्कार, साइकिल वितरण, उच्च शिक्षा हेतु स्कूटी वितरण, ऐसा लगभग 80 विद्यालयों के तथ्यों से प्रदर्शित हुआ है।

साक्षरता प्रोन्नति प्रयासः– अवलोकन कर्ताओं द्वारा साक्षरता प्रोन्नति प्रयास के द्वारा विभिन्न स्थितियॉ प्रदर्शित की गई ।

1 विद्यालय स्तरः– विद्यालय स्तर पर निरक्षर महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें साक्षर होने के लिए निरन्तर प्रयास किए गये। साक्षर होने की यह स्थिति 30 में से 40 विद्यालयों में है इस स्थिति में सुधार करने हेतु विधालय प्रबन्ध समिति में महिला अभिभावकों की सहभागिता बढ़ानी चाहिए। बालिका शिक्षा व निरक्षर महिलाओं को साक्षर होने के लिए सही समय पर उचित प्रयास करना होगा। घर पर निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने हेतु बेरोजगार प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा घर शिक्षा का प्रयास करना होगा। माताओं बहनों द्वारा शिक्षा का महत्व समझना होगा। घर की समस्त महिलाओुं द्वारा पूर्ण मनोयोग से साक्षर होने के प्रयास करना होगा।

2 केन्द्र स्तर परः– महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए प्रेरको को केन्द्र स्तर पर प्रशिक्षित किया जाए। प्रेरकों को कोई योजना बनाकर बताया जाये कि शिक्षा को जीवन में कितना महत्व है आज उसको समझाया जा सके और शिक्षा का उपयोग बताया जा सके तो इनकी रूचि बढ़ेगी और शिक्षित होने हेतु प्रयासरत होगी। जब उस स्तर पर कोई योजनाबनेगी तो योजना नीचले तबके तक प्रभावित हो सकेगी।

3 व्यक्तिगत स्तरः– निरक्षरतास को दूर करने के लिए हम सबको मिलकर व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने होंगे हम सुधरेंगे जग सुधरेगा के सिधान्त पर काम करना होगा। हम सब मिलकर अपने परिवार को व्यक्तिगत रूप से शिक्षित करने का तय करले तो थोड़े समय में ही सब साक्षर होंगे। परिवार साक्षर होते ही देहा साक्षर व शिक्षित हो जाएंगे।

4 सामुदाय दृष्टिकोण परिवर्तनः– देहा में सम्पूर्ण साक्षरता के लिए हमें सामाजिक दृष्टिकोण में परिर्वतन करना होगा हम सबको महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा हम सबको समानता के दृष्टिकोण को अपनाना होगा। लड़का–लड़की एक समान के विषय पर विचार करना होगा। सामुदायिक रूप से विभिन्न प्रयास करने होंगे। मंचो का संचालन या अन्य गतिविधियों को महिलाओं द्वारा संचालित करना होगा। महिलाओं में झिझक को दूर करना होगा। समाज की सोच बदलने से महिला निश्चित रूप से साक्षर हो सकेगी। इस हेतु नाटक , प्रदर्शनी आदि प्रदर्शित करने होंगे।

सारांशः– देश में महिलाओं को साक्षर करने हेतु हमें सामुहिक रूप से प्रयास करने होगें।

अवलोकनी विश्लेषणः– अवलोकनी द्वारा महिला साक्षरता प्रोन्नति प्रयास, बालिका शिक्षा प्रोन्नति, न्यून साक्षरता के कारण परिभार्जन प्रयासों का अवलोकन किया गया है। अवलोकनी को विश्लेषित करने पर अधोलिखित स्थिति रही।

1 साक्षरता प्रोन्नति प्रयासः– अवलोकनकर्ताओं द्वारा साक्षरता प्रोन्नति प्रयास में निम्न स्थितियां प्रदर्शित रही।

विद्यालय स्तर– साक्षरता प्रोन्नति के लिए निरक्षर महिलाओं को चिन्हित करके उन्हें साक्षर होने के हेतु प्रेरित किया गया। यह स्थिति न्यादर्श विद्यालयों में से 40 में है। विद्यालय प्रबंधन समिति में महिला अभिभावकों की सहभागिता बढाकर बालिका शिक्षा व निरक्षर को साक्षर होने के लिए 30 विद्यालयों द्वारा दिये गये है।

2 केन्द्र स्तर परः–

2 बालिका शिक्षा प्रोन्नतिः– बालिका शिक्षा को बढावा देने हेतु विभिन्न प्रयास करने होंगे जिसके तहत विभिन्न योजनाएं प्रायोजित करनी होगी जिसमें शिक्षित व अशिक्षित बालिकाओं में अन्तर बताना होगा।

शिक्षित बालिका की विचारधारा में सकारात्मक सोच को बताना होगा इस कार्य हेतु विद्यालय में बालिका शिक्षा से सम्बधित आंकड़े दिखाने होंगे। बालिका शिक्षा को बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन, सहायता का कार्य करना होगा।

व्यक्तिगत स्तर परः– बालिका शिक्षा को बढावा देने हेतु व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने से हम आगे बढ सकेंगे। जब हम सब बालिका शिक्षा को घर–घर से प्रचारित करेंगे जो हर घर से शिक्षा की शुरूआत होगी। और एक दिन परिवार की हर बालिका शिक्षित हो सकेगी। अभिभावकों को इस हेतु विशेष प्रयास करने होगे।

विद्यालय स्तर परः– इसके तहत 20 विद्यालयों के तथ्यो का प्रदर्शन हुआ विद्यालय द्वारा बच्चियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन हेतु 10 विद्यालय के तथ्य प्रदर्शित हुए। विद्यालय स्तर पर बालिकाओं का विशेष रूप से प्रशिक्षित करना होगा। विद्यालय स्तर पर बालिकाओं को सम्मानित करना होगा। इस कार्य से परिवार की छात्राएं प्रेरित होगी और हम सब के प्रयास से 100 प्रतिशत साक्षर हो सकेंगे।

निष्कर्षः–

1 अभिमतावली के विश्लेषण के आधार पर यह स्पष्ट है कि महिला एवमृ पुरूष साक्षरता में अंतर है। यह अंतर अभिमतावली को अंकन करने के पश्चात् उच्च व न्यून अंको को विश्लेषण से स्पष्ट है कि महिलओं को कुछ विशेष परिस्थियों के कारण शिक्षा से वंचित कर दिया जाता है। अतः यह स्पष्ट है कि पुरूष व महिला साक्षरता में अंतर है। जनगणना 2011 व अन्य स्त्रोत द्वारा प्राप्त शैक्षिक सुचनाओं से स्पष्ट है कि दोनों में अंतर है।

2 अभिमतावली के अंतिम पद व साक्षात्कार अनुसुची के विश्लेषण के आधार पर स्पष्ट है कि महिला साक्षरता को परिवार की शैक्षिक, आर्थिक एवंम् भौतिक स्थिति प्रभावित करती है इसकी सुनिश्चितता साक्षर व निरक्षर महिला साक्षात्कार का माध्य सुनिश्चित करता है। क्योंकि साक्षर महिलाओ का माध्य निरक्षर महिलाओं के माध्य से उच्च स्थितियां अध्ययन की मिल रही है तथा क्रांतिक मान 10.31 यह सुनिश्चित कर देता है कि महिला साक्षरता को परिवार की शैक्षिक , आर्थिक , भौतिक स्थिति प्रभावित करती है।

3 अवलोकनी के आधार पर प्राप्त विश्लेषण यह तथ्य प्रस्तुत करते है कि विद्यालय समाज सरकार द्वारा महिला साक्षरता प्रौन्नति के प्रयास किये गये है परन्तु न्यादर्शज क्षेत्र के 60 प्रतिशत विद्यालयों द्वारा ही प्रभावी ढंग से कार्य किये गये है। अतः यह स्पष्ट है कि बालिका साक्षरता प्रौन्नति कि लिए किये गये प्रयासों के स्तर को सुधारने की आवश्यता है।

4 महिला व पुरूष साक्षरता स्तर में अंतर है। महिला साक्षरता पर, बालिका शिक्षा पर , परिवार की शैक्षिक आर्थिक, भौतिक, सामाजिक व धार्मिक स्थिति प्रभावित करती है। महिला साक्षरता प्रौन्नति के लिए परिवार समाज, विद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम योजनाओं द्वारा प्रयास किये गये है लेकिन इन प्रयासों के स्तर को सुधारना अपेक्षित है। इस आधार पर कुछ नवीन कार्यक्रम व संचालित कार्यक्रमों में परिवर्धन की आवश्यकता है।

महिला साक्षरता प्रौन्नति सुझावः–

महिला साक्षरता प्रौन्नति के न्यून रहने के कारणों का अध्ययन करने पर पता चलता है कि इसके लिए समुदाय विशेष में परिवार की शैक्षिक, आर्थिक, भौतिक स्थिति, सामाजिक स्थिति का महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। इसे दुर करने के लिए राज्य सरकार के द्वारा केन्द्र सरकार के द्वारा, विद्यालय स्तर पर, समुदाय विशेष के द्वारा अनेक प्रयास किये गये है। परन्तु फिर भी महिला साक्षरता प्रौन्नति नहीं हुई है अतः महिला प्रौन्नति में वृद्धि हेतु किये गये प्रयासों की स्थिति स्तर में अपेक्षित सुधार की आवश्यकता

का अनुभव किया गया। शोध कार्य दत्त विश्लेषण का निष्कर्ष के आधार पर अधोलिखित सूझाव प्रस्तावित कर रहा हूँ।

सुझावः–

1. शिक्षित महिला की उपलब्धियों को समाज द्वारा विद्यालय द्वारा प्रदर्शन किया जाना चाहिए। इसके लिए विद्यालयों में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना चाहिए।

2. सामाजिक कार्यक्रमों में शिक्षित महिलाओं की उपलब्धि की चर्चा का अभियान चलाना चाहिए।

3. विद्यालय, परिवार, सामाजिक कार्यो, समस्या निवारण में शिक्षित महिला की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

4. प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक, वाद–विवाद प्रतियोगिताऐ साक्षर व शिक्षित महिलाओं की भूमिका को प्रभावित करने हेतु आयोजित किये जाने चाहिए।

5. विद्यालय एवं समाज द्वारा शत–प्रतिशत बालिका नामांकन द्वारा शिक्षा में जोड़ने का अभियान क्रियान्वित किया जाना चाहिए जिससे भविष्य में निरक्षर महिला होगी ही नहीं।

6. केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित बालिका शिक्षा, महिला शिक्षा, निरक्षर महिला को साक्षर करने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की क्रियान्विति समस्त विद्यालय, समाज व सक्षम अधिकारियों द्वारा क्रियान्वयति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

7. प्रत्येक विद्यालय परिक्षेत्र की शिक्षित महिला, बालिका की उपलब्धि का संकलन किया जाना चाहिए और उसे विद्यालय, साक्षरता केन्द्र व अन्य संस्थाओं द्वारा प्रचारित किया जाना चाहिए।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चूरू(राजस्थान)

जिला स्तरीय शोध 2021–22

जिला स्तरीय शोध उपकरण

शोध शीर्षक–राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता के कारणों का अध्ययन।

पी0ई0ई0ओ0 / UCEEO अवलोकनी

संस्था का नाम.....

संस्था प्रधान का नाम..... लिंग–महिला / पुरूष

नोट– पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर देवें। आपकी अभिमतावली गोपनीय रखी जाएगी।

(कृपया आप साक्षरता से संबंधित अधोलिखित बिन्दुओं का अवलोकन करें।)

1 साक्षरता योजनाओ का क्रियान्वयन.....
.....
.....

2 साक्षरता योजनाओ का आकलन.....
.....

(क) प्रौढ़ शिक्षा विवरण.....
.....

(ख) आंगनबाड़ी केन्द्र विवरण.....
.....

3 साक्षरता अभियान प्रेरित परिवर्तन.....
.....

4 साक्षरता स्तर तक जाने हेतु किये गये प्रयास.....
.....

5 प्रभावी साक्षरता संप्रेषण उत्पन्न करने हेतु प्रयास.....
.....

6 साक्षरता की परिस्थितियां उत्पन्न करने हेतु प्रयास

(क) महिला साक्षरता.....
.....

(ख) पुरूष साक्षरता.....
.....

7(क) विद्यालय द्वारा साक्षरता अभियान हेतु किये गये प्रयास.....
.....
.....

(ख) साक्षरता अभियान के पश्चात् उपलब्धि आकलन.....
.....
.....

8 विद्यालय परिक्षेत्र में बालिका शिक्षा हेतु किये गये विशेष प्रयास.....
.....
.....

9 समुदाय को विद्यालय से जोड़ने व नामांकन अभिवृद्धि हेतु अभियोजित कार्यक्रम.....
.....
.....

10 बालिका शिक्षा हेतु राज्य सरकार की योजनाओं का परिक्षेत्र में क्रियान्वयन.....
.....
.....

11 समुदाय द्वारा बालिका शिक्षा हेतु प्रोत्साहन के कार्य.....
.....
.....

12 पढना लिखना अभियान के अधोलिखित बिन्दु :–

(1) लक्ष्य अनुसार चिन्हित असाक्षर की सूचना.....

(2) लर्नरस का लक्ष्य आवंटन.....

(3) प्रशिक्षण साक्षरता प्रभारी / स्वयंसेवी शिक्षक .....

(4) ग्राम पंचायत स्तर पर दायित्व .....

(5) बेसिक साक्षरता मूल्यांकन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही .....

.....

13 परिक्षेत्र में निरक्षरता का मुख्य कारण यदि हां तो

(1) आर्थिक कारण .....

(2) सामाजिक कारण .....

(3) सुरक्षा कारण .....

(4) जननानकीय कारण .....

(5) शैक्षिक अभिप्रेरणा .....

(6) धार्मिक कारण .....

14 अभिभावक मीटिंग अभिप्रेरणा.....

15 साक्षरता अभियानों का प्रचार प्रसार हेतु आपके परिक्षेत्र के प्रयास विवरण .....
.....

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चूरू(राजस्थान)

जिला स्तरीय शोध 2021–22

जिला स्तरीय शोध उपकरण

शोध शीर्षक–राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता के कारणों का अध्ययन।

पी0ई0ई0ओ0 / UCEEO अभिमतावली

संस्था का नाम.....

पी0ई0ई0ओ0 / UCEEOकानाम.....

लिंग–महिला / पुरूष

नोट– पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर देवें। आपकी अभिमतावली गोपनीय रखी जाएगी।

1 मेरा मानना है कि शिक्षा जीवन स्तर प्रौन्नत करने में सहायक है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

2 बालिकाओं का अधिकतर घर के कार्य में सहयोग एवं कृषि कार्य एवं साधारण कार्य जिन से अर्थोपार्जन किया जा सकने वाले कार्य से जोडा जाता है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

3 मैने अनुभव किया है कि अभिभावक / माता पिता बालिकाओं को शिक्षित करने में लगभग रूचि नही रखते है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

4 मैने यह देखा है अभिभावक लडके और लडकी में अन्तर कही न कही करते है। जिसके कारण शिक्षा से जोडने में त्रुटि कर देते है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

5 प्रारम्भिक मूलभूत आवश्यकता सुविधाओं की उपलब्धता का अभाव बालिका शिक्षा में बाधक है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

6 बालिकाओं के प्रति समाचार पत्रों और संचार माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि बालिकाओं में मानसिक, एवं शारिरीक शोषण बढता जा रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि बालिकाओं का वर्तमान एवं भविष्य दोनों ही असुरक्षित है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

7 शिक्षा के संसाधनों की सरल सुलभता की व्यवस्था नही होने के कारण बालिकाओं शिक्षा से वंचित रहती है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

8 अभिभावको की अशिक्षा के कारण बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता नही होती है क्योकि वे बालिकाओं को पराये घर का धन मानते है।

सहमत / तटस्थ / असहमत

9 विशेषतय महिलाओं का शिक्षा के प्रति नकारात्मक दृष्टि कोण रहता है। वे बालिका को अपना विशेष निकटतम सहयोगी मानती है।

सहमत / तटस्थ

/ असहमत

10 महिला निरक्षरता में आप अधोलिखित कारण मानते है–

.....

.....

.....

.....

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चूरू(राजस्थान)

जिला स्तरीय शोध 2021–22

जिला स्तरीय शोध उपकरण

शोध शीर्षक–राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता के कारणों का अध्ययन।

निरक्षर महिला साक्षात्कार

नाम.....

नोट– पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर देवें। आपकी अभिमतावली गोपनीय रखी जाएगी।

1 आप मानती हो कि जीवन की पूर्णता तथा सफलता के लिए साक्षरता,शिक्षा से जुड़ना आवश्यक है।

हॉ/नही/कभी नही

2 आप ज्ञान की दुनिया से जुड़कर स्वयं का विकास करने की इच्छुक है। हॉ/नही/कभी नही

3 आप कामयाबी प्राप्ति हेतु किसे जिम्मेदार मानती है। भाग्य/परिश्रम

4 आपने शिक्षा नही लेना का निर्णय स्वयं की इच्छा से छोड़ा है अथवा किन्ही अन्य परिस्थिति के कारण.....
.....

5 आप अपने को शिक्षित महिला के जीवन स्तर से अलग मानती है। हॉ/नही/कभी नही

6 किसी बालक को पढ़ाकर शिक्षित बनाना अभिभावक/संरक्षक की पूर्ण जिम्मेदारी मानती है।

हॉ/नही/कभी नही

7 आप को घर पर पढ़ने की सुविधा प्राप्त होती है तो आप रूचि से पढ़ने की इच्छुक है।

हॉ/नही/कभी नही

8 आपके अनुसार शिक्षा प्राप्त करने की निश्चित आयु होती है अथवा हम जीवन में कभी भी पढ़ सकते है।

हॉ/नही/कभी नही

9 आपको शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया । हॉ/नही/कभी नही

10 आपके साथ के मित्रों/रिश्तेदारों जो शिक्षित है उनसे प्रभावित होकर पढ़ने की इच्छा रखती है।

हॉ/नही